9
कलीसिया:
इसकी पहचान

इसका बने रहना

1. **यीशु ने कलीसिया की निरन्तर विजय के बारे में ज़्या कहा है (मज़्ी 16:18)?**
2. **ज़्या कलीसिया के द्वारा उसकी महिमा युगानुयुग होती है (इफिसियों 3:21)?**
3. **पौलुस ने राज्य के स्थिरता से बने रहने के बारे में ज़्या कहा है (इब्रानियों 12:28)?**
4. **दानिय्येल ने राज्य की अनश्वरता के विषय में ज़्या कहा (दानिय्येल 2:44)?**
5. **कलीसिया के बने रहने और कलीसिया के उज़राधिकारी में भेद करें।**

   यीशु ने प्रतिज्ञा की कि उसकी कलीसिया कभी खत्म नहीं होगी (मज़्ी 16:18), अर्थात जब तक समय रहेगा तब तक इसमें विश्वासी लोग रहेंगे; इसे कलीसिया का बने रहना कहा जाता है। उज़राधिकारी, ''व्यज़्तियों या वस्तुओं की एक शृंखला है जिसमें किसी नियम के अनुसार एक के बाद दूसरा आता है; जैसे, राजाओं का वंश।'' इस शिक्षा के अनुसार मसीह के समय से लेकर आज तक एक जैसा विश्वास और नियम रखने वाली कलीसियाओं की एक कड़ी चली आ रही है। यह बिल्कुल गलत है।

कलीसिया की पहचान कैसे हो सकती है

1. **बनाने वाले के द्वारा। कलीसिया को किसने बनाया है (मज़्ी 16:18)?**

   नोट: पाठ 11 से सभी साज़्प्रदायिक कलीसियाओं के स्रोतों की ओर ध्यान दिलाएं। दिखाएं कि नये नियम की कलीसिया इस प्रकार आरज़्भ नहीं हुई थी।
2. **संज़्या के हिसाब से। कितनी कलीसियाएं हैं जो परमेश्वर ने बनाईं (मज़्ी 16:18)?**
   - क. देहें कितनी हैं (इफिसियों 4:4क) ?
   - ख. पर यह ''एक देह'' ज़्या है (इफिसियों 1:22ख, 23क; कुलुस्सियों 1:18क) ?
     - (1) ज़्या नये नियम की बहुत सी स्थानीय मण्डलियां इसका इन्कार करती हैं ?
     - (2) कलीसिया के ईश्वरीय स्रोत होने की ''आवश्यकता'' समझाएं (भजन 127:1क; मज़्ी 15:13)।
3. **नींव से। नींव ज़्या है (मज़्ी 16:16-18; 1 कुरिन्थियों 3:10,11)?**

दिखाएं कि उद्धार पाने के लिए नींव पर बनना आवश्यक है (1 कुरिन्थियों 3:10ख, 11)।

4. **बनने के स्थान से। कलीसिया कहां बनी थी (यशायाह 2:2, 3; जकर्याह 1:16)?**
   - क. यीशु ने आरज़्भ कहां से होने के लिए कहा था (लूका 24:47, 49)?
   - ख. पतरस ने आरज़्भ किसे कहा था (प्रेरितों 11:15)?
5. **कुंजियों का इस्तेमाल करने वाले से। कुंजियों का इस्तेमाल किसे करना था (मज़्ती 16:18, 19)?**
   - क. उसने कुंजियों का इस्तेमाल कब किया (प्रेरितों 2:1, 37)?
   - ख. सब लोगों पर ज़्या शर्तें थीं (प्रेरितों 2:36, 38)?
6. **दिन को मानने के द्वारा। कलीसिया किस दिन रोटी तोड़ती थी (प्रेरितों 20:7क)?**
   - क. मसीह मुर्दों में से किस दिन जी उठा था (लूका 24:1–3, 6)?
   - ख. चेले चंदा किस दिन अलग रखते थे (1 कुरिन्थियों 16:2)?
   - ग. यूहन्ना किस दिन "आत्मा" में था (प्रकाशितवाज़्य 1:10क)?
   - घ. मसीह ने किस दिन अपने लोगों को दर्शन दिया था (मरकुस 16:9; यूहन्ना 20:1क,16, 19)?
7. **भोज की बारज़्बारता से। इसे कब लिया जाता था (प्रेरितों 20:7क)?**
   - क. प्रारज़्भिक कलीसिया किसमें लगी रहती थी (प्रेरितों 2:42)?
   - ख. कुरिन्थुस के मसीहियों को ज़्या आज्ञा दी गई थी (1 कुरिन्थियों 11:23–26)? ज़्या यह भोज एक माह बाद, तीन माह बाद या छह माह में एक बार लेना चाहिए?
8. **कलीसिया को दिए जाने वाले नाम से। इन नामों में से कोई नाम बताएं (1 कुरिन्थियों 1:2क)।**
   - क. कलीसिया के लिए दो शज़्द ठहराएं (प्रेरितों 20:28ख; 1 तीमुथियुस 3:15ख)?
   - ख. तीन शज़्द और दें (कुलुस्सियों 1:18क; इब्रानियों 12:23क; रोमियों 16:16ख)। दिखाएं कि दूसरे नाम नहीं अपनाए जाने चाहिए (कुलुस्सियों 3:17; प्रकाशितवाज़्य 22:18, 19)?
9. **सदस्यों को मिले नामों से। एक प्रसिद्ध नाम बताएं (प्रेरितों 5:14)।**
   - क. तीन और नाम दें जिनका इस्तेमाल होता था (प्रेरितों 6:7क; रोमियों 8:17क; 1 कुरिन्थियों 1:2ख)।
   - ख. इस्तेमाल होने वाले तीन अन्य शज़्द बताएं (इफिसियों 6:6ख; इब्रानियों 13:1; प्रेरितों 11:26)।
   - ग. अब प्रचलित नाम दें। (प्रेरितों 11:26; कुलुस्सियों 1:18ग)।
10. **लहू से इसके सज़्बन्ध के द्वारा। कलीसिया कैसे खरीदी गई थी (प्रेरितों 20:28)?** किसके बिना क्षमा नहीं है (इब्रानियों 9:22)?
11. **अगुआई के लिए इसकी केवल एक पुस्तक से। यह कौन सी पुस्तक है (2 तीमुथियुस 3:16, 17)?**

किसी अन्य पुस्तक से चलाई जाने वाली कलीसिया किसकी है ?

12. **इसके मिशनरी मन से। इसके सुसमाचार का कार्यक्रम ज़्या था(प्रेरितों 1:8; 8:1, 4)?**

    क. कलीसिया ने इस मिशन या उद्देश्य को कैसे पूरा किया (कुलुस्सियों 1:23) ?

    ख. ज़्या मिशनरी विरोधी कोई कलीसिया बाइबल के अनुसार हो सकती है (मरकुस 16:15, 16) ?